

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार



मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ: बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेन्द्र गोसाईं शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लेंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए। श्री सीकरी के उद्बोधन से लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

इस अवसर पर जाने माने समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी. कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल गेवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुखराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा,



राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा

तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र थरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्कड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।



मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा : सीकरी



श्री हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में पहुंचे भक्तजन।

गुड़गांव, 23 अगस्त (ब्यूरो): सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेन्द्र गोसाईं शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लेंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए। हनुमान चालीसा पाठ के उपरान्त बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया "होई है वही जो राम रचि राखा। उनके के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा आदि उपस्थित रहे।

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा : सीकरी



श्री हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में पहुंचे भक्तजन।

गुडगाँव, 23 अगस्त (ब्यूरो): सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बंधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाईं शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लैंड किया पर उसके खबनूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें मुखर्जी के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए। हनुमान चालीसा पाठ के उपरान्त बंधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया "होई है वही जो राम रचि राखा। उनके के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद सलुजा, रमेश कामरा, ओ.पी. कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यू, दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रीवर, रमेश भुजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्खराज कंधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहुजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी भुजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश कंधवा, डॉ. वीन अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा आदि उपस्थित रहे।

त
य
प
ज

त
ज
स
द

ज
ज
ह
रि

म
स
ज
सं
रि

म
क
प्र

है
ग
व
ध
उ

अमर भारती

04 पृष्ठ, 06 संस्करण

एक उम्मीद

हनुमान चालीसा पाठ मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम: बोधराज सीकरी

► हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई ने चालीसा का पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और अनेक श्रद्धालु बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ कर रहे थे। इस आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर कर भाग ले रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत



बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने

पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी-हरसरू में माता वैष्णो देवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त बोधराज सीकरी की 44

लोगों की मित्र मंडली सुरेंद्र खुल्लर प्रधान केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए। सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस आयोजन में समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुख्खराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज समेत अनेक लोगों की भूमिका रही।

गुड़गांव टुडे

हनुमान चालीसा पाठ मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम : बोधराज सीकरी

■ हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गर्जेंद्र गोसाईं ने चालीसा का पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया।

300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और अनेक श्रद्धालु बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ कर रहे थे। इस आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर कर भाग ले रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है।

फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया।



गढ़ी-हरसरु में माता वैष्णो देवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त बोधराज सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली सुरेंद्र खुल्लर प्रधान केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए। सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई।

इस आयोजन में समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्काड़, सतपाल नासा, दलीप लूधरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्रांडड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुखरराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज समेत अनेक लोगों की भूमिका रही।

नये भारत का अखबार



गुड़गांव मेल

2024/11, North-East Hwy., Gurgaon, Haryana | हरियाणा के सभी जिलों, पड़ोसी राज्यों और दिल्ली में प्रसारित

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पाठ

धरुरी, गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 23 अगस्त। सन्तान धर्म, सौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सप्रेसवे, गुड़गांव में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। रावेंद्र सोसाई नाम 5 बच्चे कन्याकुमारी से लेंड किए पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाभा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें मुख्य रूप से नवोत्सव बजाज और धर्मद बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए।

प्राथमिक मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद ब्रह्मसूत्री की धीरे-धीरे 5 मिनट के अंतर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक ब्रह्मसूत्री के प्रांगण के अंदर और जा जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का अंशद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में पुरा पौड़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरान्त बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का सुधारण गुलसरीकृत समाचार की पौड़ी से किया।

होई है यही जो राघव रथ राख
बोधराज सीकरी के कनकानुसार ईश्वर कृप से असीम और सम्भव हो

सकता है। उन्होंने एक सपने का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काली विधवाधर्म में एक बड़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान पाया। भोले बाबा ने कहा कि आपकी सुपुत्र चाहिए, या कुपुत्र। पुराने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लैका विधवा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र आपका ही होगा परन्तु अल्पकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर दृढ़ते अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अल्प वर्ष आयो तो उस बच्चे का स्वरूप सौंदर्य की तरफ हो गया और जो भी रस आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि राघव रथ आए जब राघव एक सप्ताह उसका जीवन काको था। राघव रथिनी ने पिछोली और अलुपुमान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब राघव रथिनी को मानस हुआ कि इस बालक की मात्र अनु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणम किया। ब्रह्मा जी ने राघव रथिनी को आनुपमन भव और चिरंजीवी भव



का आशीर्वाद दिए। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणम किया उसे भी यही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मानस हुई तो वो

भी चिंतित हुए और सभी राघव रथिनी मिलकर ब्रह्मा जी के पास भागवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का

आशीर्वाद दिए, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो राघव रथिनी हों, चाहे वो नरदा मा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो यही

इस कार्यक्रम का आयोजन गाभा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मद बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए।

बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसकी मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव त्रय के घरों में वसंतलक हो गया और जैसे ही उसका अल्प समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर अनेक-विधाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आर्पण किया और शिव महाशय अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राख बताया। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़े होकर रथिनी मार्कण्डेय भक्त जी चिरंजीवी कहलते हैं जैसे हनुमान जी अमृत प्राण कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय रथिनी ने भी अमृत

प्राण किया है। उनके कहने के अनुसार कि अमृतधर भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। यानी हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हयात प्रेम, हमारी आस्था, हमारी धीका विष्णुल निःस्वार्थ भाव से हो। बोधराज सीकरी के इस वक्तव्य ने सबका मन गदगद कर दिया।

लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके अतिरिक्त फ्लापर पार्क सुरास लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गड़ी हरमरु में मात वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जन्मपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी जी की 44 लोगों को मित्र मंडली की सुरिंदर खुल्लर प्रधान श्री केद्रीय सन्तान धर्म सभा

की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और धरुरी, पौवाली गए और सभी ने सौजन्य 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए।

पुश्चिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई।

इस अवसर पर जाने माने वक्ताज येसी प्रमींद सल्लुवा, रमेश बज्जरा, ओ.पी. कलरा, कैटारनाथ मक्काड़, सलपाल नामा, दलीप गुधारा प्रेमिंदर आरदबल्लु दलहरा राईड न्यू कर्लीनी, राम लाल घोष, रमेश मुंजाल, पंडित हरिश्च शर्मा, मुख्यराज राधारा, अलीक गेट, अजित गुप्ता, ओमप्रकाश गाभा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोका, रूपय चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति कर्मा, पुष्प नामा, हरीश बजाज, रघुना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुदीप कालरा, सुदेश राधारा, डॉ. वीना अरोड़ा, राजमान महिंदर गाभा एवं हरीश कर्मा, ज्योति गाभा एवं कंचन धर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, निर्मल बरेजा, नवीन कुपरा, कैलश मेहो, निराला पोपहरा, चंद पोपली, सरला कुपरा, कल मक्काड़, मंजीष पाह्ला, सिमरन, मनोज गुला, निधि गुला, राकेश बनेजा, राजपाल नामा, उर्मिस्ता रहे।

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्वक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 2 लाख 84 हजार के पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। सैक्टर 7 एक्सटेंशन स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाईं ने पाठ का शुभारंभ कराया। कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज ने अहम भूमिका निभाई। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। जिसमें कुल 6300 पाठ हुए। मंदिर परिसर छेड़ा होने के बावजूद श्रद्धालुओं से पूरा परिसर खचाखच भरा रहा। आयोजन में युवा युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुआ और हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी संभव हो सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कारी विधनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पृष्ठने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जाएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पयु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान था। उन्होंने सुपुत्र



कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।



को इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोलचाल मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुढ़ान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आए उसे आशीर्वाद देकर जाए।

एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और

चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्द सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ओठम नम- शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आर्पण

किया और शिव साक्षात् अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया। यमराज उस बच्चे को छेड़कर चला गया और वो बच्चा बड़ा होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अमृतत्व प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृतत्व प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असम्भव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। बसते हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निस्वार्थ भाव से हो। इसके अतिरिक्त फ्लावर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। गढ़ी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी की 44

लोगों की मित्र मंडली केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मट्टुरी मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। मुहिम में अब तक यह आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, न्यू कालोनी दशहरा ग्राउण्ड आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दलीप लूथरा, केंदारनाथ मकड़, सतपाल नासा, राम लाल ग़ोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुखरज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकुरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, राशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र धरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मकड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पार्यानिर

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

पार्यानिर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेंद्र गोसाई ने चालीसा का पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया।

300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और अनेक श्रद्धालु बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा



गुरुग्राम के सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में हनुमान चालीसा पाठ करते बोधराज सीकरी व अन्य श्रद्धालु।

पाठ कर रहे थे। इस आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर कर भाग ले रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरान्त बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता

है। फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी-हरसरू में माता वैष्णो देवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त बोधराज सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली सुरेंद्र खुल्लर

प्रधान केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए। सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई।

इस आयोजन में समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुख्तराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज समेत अनेक लोगों की भूमिका रही।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

देव केसरी / अरविन्द चन्दन

गुरुग्राम। दिनांक 22 अगस्त, मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेन्द्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लैंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए। यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके



बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान

चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने

वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया

होई है वही जो राम रचि राखा

बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे।

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 2 लाख 84 हजार के पार

■ मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी।

दैनिक भरोसा/एमके अरोड़ा
ब्यूरो चीफ

गुरुग्राम। सैक्टर 7 एक्सटेंशन स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाईं ने पाठ का शुभारंभ कराया। कार्यक्रम का आयोजन गाथा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज ने अहम भूमिका निभाई। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। जिसमें कुल 6300 पाठ हुए। मंदिर परिसर छोटा होने के बावजूद श्रद्धालुओं से पूरा परिसर खचाखच भरा रहा। आयोजन में युवा युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुआ और हनुमान चालीसा का पाठ किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी संभव हो सकता है। उन्होंने उदाहरण



कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।



देते हुए कहा कि काशी विधवाय में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पुछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान था। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रत्नान संतों की तरफ हो गया और

जो भी संत आए उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी

ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ओम् नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात् अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और

वो बच्चा बड़ा होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अमृत प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृत प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असंभव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। यहाँ हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निस्वार्थ भाव से हो। इसके अतिरिक्त फलापर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। गद्दी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र

खुल्लर की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मोनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। मुहिम में अब तक यह आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, न्यू कालोनी दशहरा ग्राउण्ड आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दलीप लूथरा, केदारनाथ मक्काड़, सतपाल नासा, राम लाल ग्रीवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुल्लखराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाथा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मोनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाथा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाथा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र धरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्काड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुहा, निधि गुहा, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक

संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती श्री. जी. विष्णुदेवराज जी. मणिदत्त
॥ वास्तव में ही हिन्दू धर्मका एक को, वे सब सब कुछ हिन्दू धर्म का ॥

जगत क्रान्ति

तम : 44 | अंक : 223 | जिनट | बुधवार, 24 अक्टूबर, 2023 | पृष्ठ 12 | मूल्य 3 रुपये



हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा 2.84 लाख के पार

► मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : सीकरी

जगत क्रान्ति ► एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : सैक्टर 7 एक्सटेंशन स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ब्रोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें गजेंद्र गोसाई ने पाठ का शुभारंभ कराया। कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज ने अहम भूमिका निभाई। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। जिसमें कुल 6300 पाठ हुए। मंदिर परिसर छोटा होने के बावजूद श्रद्धालुओं से पूरा परिसर खचाखच भरा रहा। आयोजन में युवा युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुआ और हनुमान चालीसा का पाठ किया। ब्रोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर



कृपा से असंभव भी संभव हो सकता है।

इसके अतिरिक्त फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया। गढ़ी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। मुहिम में अब तक यह आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब

तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, न्यू कालोनी दशहरा ग्राउण्ड आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दलीप लूथरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, राम लाल ग़ोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुख्बराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

सबसे तेज... सबसे आगे

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

वर्ष : 15 अंक : 70

भिवानी गुरुवार 24 अगस्त 2023

मूल्य : 3.00 रुपये

8:14 AM

कुल पृष्ठ : 8

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

गुरुग्राम। सनातन धर्म गौरी शंकर मंदिर सेक्टर-7 एक्सटेंशन में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेन्द्र गोसाई ने चालीसा का पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और अनेक श्रद्धालु बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ कर रहे थे। इस आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर कर भाग ले रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया। बोधराज सीकरी ने कहा कि ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी-हरसरू में माता वैष्णो देवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ



किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त बोधराज सीकरी की 44 लोगों की मित्र मंडली सुरेंद्र खुल्लर प्रधान केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए। सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस आयोजन में समाज

सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओपी कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुख्तार राज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज समेत अनेक लोगों की भागीदारी थी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ओपन सच

TITLE CODE :- HARHIN11545

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

ओपन सच/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। दिनांक 22 अगस्त, मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेन्द्र गोसाईं शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लैंड क्रिये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए। यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया : होई है वही जो राम रचि राखा बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा ने संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने

कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जाएगा और आपको सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जाएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो



गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ओम नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात् अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़े होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी

कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अमृतत्व प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृतत्व प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असम्भव भी ईश्वर को कृपा से संभव हो सकता है। वरतें हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निःस्वार्थ भाव से हो। बोधराज सीकरी के इस वक्तव्य ने सबका मन गूढ़ाद कर दिया। लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके अतिरिक्त फ्लायर

पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी हरसक में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी जी की 44 लोगों की मित्र मंडली श्री सुरिंदर खुल्लर प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मर्दुर मौनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया।

कुल 264 बार पाठ हुए। मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर जाने माने समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी. कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, दलीप लुथरा प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए दशहरा प्राइड न्यू कॉलोनी, राम लाल श्रोवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुखराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, मुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मौनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. वीणा अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र थरवा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चौपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्कड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/व्यूरो

मुक्तश्राम : मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी लंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुआई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गार्डन रोसाई शाय 5 बजे कल्याणकुमारी से लैंड किया पर उसके बाद बृद्ध समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाय और वन्य परिवार द्वारा किया गया। जिसमें मुख्यधारा के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मोद बजाज की विलेय धूमिक्ता थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। पानी 6300 फट हुए।

प्राचीन मंदिर का प्रयोग छोट्टा था, उसके बाद बृद्ध अष्टालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक अष्टालु मंदिर के प्रयोग के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में कुछ पोली अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही हैं। हनुमान चालीसा पाठ के उपरान्त बोधराज सीकरी ने अपने बक्तव्य का शुभार्थ तुलसीदास

रामायण की भीड़ा से किया :

होई है वही जो राम रथि राखा
बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक युद्ध ब्राह्मण ने लप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से सौतन का बरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। सुनने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जिएगा और आपको सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पयु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और भोला माय 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब औप्य वर्ष अग्य तो उस बच्चे का रक्षण सती की तक हो गया और तो भी संत आगे उसे अशोचोद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सन श्रद्धि आएं जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सन श्रद्धि ने पिरंजीली



और अनुमान का बरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सन श्रद्धि को मालूम हुआ कि इस

बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो धीमे धीमे हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सन श्रद्धि को अनुमान भव और पिरंजीली भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही बरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को बालक का मालूम हुई तो वो भी धीमे धीमे हुए और सती सन श्रद्धि मिलकर ब्रह्मा जी के सत्व भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सती को पिरंजीली होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सन श्रद्धि हों, चाहे वो पना सा बालक हो। जब शिवजी को पता चलत कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको माय 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नमस्कार हो गया और जैसे ही उसका औप्य समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर अंनयः सिवाय का जाच कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात् अपने चित्त के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज

बाधा। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़े होकर श्रद्धि मार्कण्डेय बना जो पिरंजीली कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अनुमान प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय श्रद्धि ने भी अनुमान प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असंभव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। चलो हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति विलकुल निःस्वार्थ भाव से हो। बोधराज सीकरी के इस बक्तव्य ने सबका मन गूँद कर दिया।

लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके अतिरिक्त फलदार पार्क गुरुदास लेक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गौरी हरसक में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जयपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी जी की 44 लोगों की पिच बंदली की मुर्तिर खुल्लर प्रभन की कैदीय सनातन धर्म सभा की अगुआई में कल्याणकुमारी रामेश्वरम और मट्टी मोनसो गए और सभी ने राजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए।

मुहिम में अब तक वे आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भारीदारी 17807 हो गई।

इस अवसर पर जाने माने सनातन सेवी प्रमोद सनुज, रमेश कामरा, ओ.पी. कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नामा, दलीप लुधर प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूएसू दसहरा प्राईड ज्यू बर्लीनी, राम लाल घोष, रमेश मुंजाल, पीडित हरीश शर्मा, मुल्कराज बाधवा, अलीक गैर, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाय, जगदीश कुकरेजा, राजपाल अहलूवा, राब घनीचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नामा, शशि बजाज, रचना बजाज, मोनसो मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश बाधवा, डॉ. सोमा अरोड़ा, पत्रमान मंदिर गाय एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाय एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल अहलूवा, जगदीश मेहन, रमेश खनेका, जितेंद्र धरज, नवीन कुमार, कैलाश मेठी, विमल शोधरा, पंडे चौधरी, सरला कुमार, कान्त मक्कड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बनेजा, राजपाल नामा, उपस्थित रहे।

रण टाइम्स

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

► मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)।

मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेन्द्र गोसाईं शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लैंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए।

यद्यपि मंदिर का प्रांगण छेटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया।

होई है वही जो राम रचि राखा

बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कपट



लंबा जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अल्पायु होगा परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वे चिंतित हो

ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय समाप्त हो गया।

दैनिक मेवात

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

मन, कर्म, वचन को एकाग्र करने का सशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

- दैनिक मेवात संवाददाता
गुरुग्राम। दिनांक 22 अगस्त, मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज की अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेन्द्र गोसाई शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लेंड किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मेन्द्र बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया।

यानी 6300 पाठ हुए। यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खचाखच 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में युवा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरान्त बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया :

'होई है वही जो राम रचि राखा'

बोधराज सीकरी के कथना नुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी विश्वनाथ में एक बड़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लंबा जाएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन आप अलगाव होगा परन्तु आपको



सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जाएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुढ़ान संतों की तरफ हो गया और जो भी संत आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरंजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मालूम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी को प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों को आयुष्मान भव और चिरंजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी वही वरदान दिया। जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मालूम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के

साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हों, चाहे वो सप्त ऋषि हों, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात् अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया।

यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़े होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरंजीवी कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अमृतत्व प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृतत्व प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असंभव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। व्यंते हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी

भक्ति बिल्कुल निःस्वार्थ भाव से हो। बोधराज सीकरी के इस वक्तव्य ने सबका मन गद्गद कर दिया।

लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके अतिरिक्त फ्लायर पार्क सुशस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी हरसरु में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी जी की 44 लोगों की मित्र मंडली श्री सुरिंदर खुश्र प्रधान श्री केंद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मीनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए। मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई। इस अवसर पर जाने माने समाज सेवी प्रमोद सलूजा, रमेश कामरा, ओ.पी. कालरा, केदारनाथ मकड़, सतपाल नासा, दलीप लूथरा, प्रेसिडेंट आरडब्ल्यू दशहरा ग्राउंड न्यू कौलोनी, राम लाल घोष, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुखराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रवि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, शशि बजाज, रचना बजाज, मीनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. चीना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र धरेजा, नवीन कुमार, कैलाश सेठी, निर्मला चोपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मकड़, संतोष पाहुजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार

ajeeybharat | Wednesday, August 23, 2023

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा हुआ 284000 पार



मन्, कर्म, वचन को एकाग्र करने का शशक्त माध्यम हनुमान चालीसा पाठ : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। दिनांक 23 अगस्त, मंगलवार को सनातन धर्म, गौरी शंकर मंदिर सेक्टर - 7 एक्सटेंशन, गुरुग्राम में समाजसेवी बोधराज जी अगुवाई में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गजेन्द्र गौसाईं शाम 5 बजे कन्याकुमारी से लेठ किये पर उसके बावजूद समय पर पाठ शुरू किया। इस कार्यक्रम का आयोजन गाबा और वर्मा परिवार द्वारा किया गया। जिसमें सूत्रधार के रूप में ज्योत्सना बजाज और धर्मदत्त बजाज की विशेष भूमिका थी। आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने 21-21 बार पाठ किया। यानी 6300 पाठ हुए।

यद्यपि मंदिर का प्रांगण छोटा था, उसके बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ हर 5 मिनट के अंदर बढ़ती जा रही थी और खवाखव 300 से अधिक श्रद्धालु मंदिर के प्रांगण के अंदर और ना जाने कितने मंदिर के बाहर खड़े होकर के हनुमान चालीसा पाठ का आनंद ले रहे थे। प्रसन्नता की बात यह है कि इस प्रकार के आयोजन में पूजा पीढ़ी अब आगे बढ़-चढ़कर के आ रही है। हनुमान चालीसा पाठ के उपरंत बोधराज सीकरी ने अपने वक्तव्य का शुभारंभ तुलसीकृत रामायण की चौपाई से किया :

“होई है वही जो राम रचि राखा”

बोधराज सीकरी के कथनानुसार ईश्वर कृपा से असंभव भी सम्भव हो सकता है। उन्होंने एक लघु कथा का उदाहरण देकर के कि किस प्रकार काशी किशुनाथ में एक बूढ़े ब्राह्मण ने तप कर भोले बाबा को प्रसन्न किया और भोले बाबा से संतान का वरदान मांगा। भोले बाबा ने कहा कि आपको सुपुत्र चाहिए या कुपुत्र। पूछने पर भोले बाबा ने स्पष्ट किया कि कुपुत्र लेना जिएगा और आपकी सेवा नहीं करेगा लेकिन सुपुत्र अत्पायु होगा। परन्तु आपकी सेवा करेगा। ब्राह्मण विद्वान थे। उन्होंने सुपुत्र की इच्छा प्रकट की और भोले बाबा ने उन्हें पुत्र तो दिया और बोला मात्र 5 वर्ष यह बालक जिएगा। ब्राह्मण विद्वान थे तो उन्होंने उन पांच वर्षों में उस बालक के अंदर इतने अच्छे आध्यात्मिक संस्कार अंकुरित कर दिए कि जब अंतिम वर्ष आया तो उस बच्चे का रुझान सत्ता की तरफ हो गया और जो भी सत्त आये उसे आशीर्वाद देकर जाए। एक दिन ऐसा हुआ कि सप्त ऋषि आए जब मात्र एक सप्ताह उसका जीवन बाकी था। सप्त ऋषियों ने चिरजीवी और आयुष्मान का वरदान दिया और ब्राह्मण प्रसन्न हो गया। जब सप्त ऋषियों को मातृम हुआ कि इस बालक की मात्र आयु एक सप्ताह है तो वो चिंतित हुए ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी की प्रणाम किया। ब्रह्मा जी ने सप्त ऋषियों की आयुष्मान भव और चिरजीवी भव का आशीर्वाद दिया। इसी तरह उस बालक ने भी प्रणाम किया उसे भी बही वरदान दिया।

जब ब्रह्मा जी को वास्तविकता मातृम हुई तो वो भी चिंतित हुए और सभी सप्त ऋषि मिलकर ब्रह्मा जी के साथ भगवान शिव के दरबार में गए और शिवजी ने भी सभी की चिरजीवी होने का आशीर्वाद दिया, चाहे वो ब्रह्मा जी हो, चाहे वो सप्त ऋषि हो, चाहे वो नन्हा सा बालक हो। जब शिवजी को पता चला कि यह तो वही बालक है ब्राह्मण पुत्र जिसको मात्र 5 वर्ष तक जीवन है तो वो बच्चा शिव प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो गया और जैसे ही उसका अंतिम समय आया तो उस समय यमराज आया। उस समय बच्चा शिवलिंग के पास बैठकर ॐ नमः शिवाय का जाप कर रहा था और जैसे ही यमराज आया तो उस बच्चे ने शिवलिंग को आलिंगन किया और शिव साक्षात् अपने त्रिशूल के साथ प्रकट हुए। उन्होंने यमराज को अपना और उस बच्चे का राज बताया। यमराज उस बच्चे को छोड़कर चला गया और वो बच्चा बड़े होकर ऋषि मार्कण्डेय बना जो चिरजीवी कहलाते हैं जैसे हनुमान जी अमृत प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रकार मार्कण्डेय ऋषि ने भी अमृत प्राप्त किया है। उनके कहने के अनुसार कि असंभव भी ईश्वर की कृपा से संभव हो सकता है। ब्यर्थ हमारा ईश्वर के प्रति समर्पण, हमारा प्रेम, हमारी आस्था, हमारी भक्ति बिल्कुल निःस्वार्थ भाव से हो। बोधराज सीकरी के इस वक्तव्य ने सबका मन गह्र कर दिया।

लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इसके अतिरिक्त फ्लायर पार्क सुखस्त लोक में 7 लोगों ने पांच-पांच बार पाठ किया। गढ़ी हरसरू में माता वैष्णोदेवी मंदिर में 15 लोगों ने 5 बार पाठ किया। जामपुर शिव मंदिर में 31 लोगों ने 2-2 बार पाठ किया। इसके अतिरिक्त सीकरी जी की 44 लोगों की मित्र मंठली श्री सुरिंदर बुल्लर प्रधान श्री केद्रीय सनातन धर्म सभा की अगुवाई में कन्याकुमारी रामेश्वरम और मदुरै मौनाक्षी गए और सभी ने रोजाना 1-1 बार पाठ किया। कुल 264 बार पाठ हुए।

मुहिम में अब तक ये आंकड़ा 2 लाख 84 हजार 464 हो गया। कुल लोगों की अब तक की मुहिम में भागीदारी 17807 हो गई।

इस अवसर पर जाने माने समाज सेवी प्रमोद सलुजा, रमेश कामरा, ओ.पी. कालरा, केदारनाथ मक्कड़, सतपाल नासा, ठलीप लुधरा प्रेसिडेंट आरठबूपूर दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी, राम लाल ग्रीवर, रमेश मुंजाल, पंडित हरीश शर्मा, मुखराज वाधवा, अशोक गेरा, अनिल कुमार, ओमप्रकाश गाबा, जगदीश कुकरेजा, राजपाल आहूजा, रावि मनोचा, रूपम चौधरी, सुख देव, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा, पुष्पा नासा, राशि बजाज, रचना बजाज, मौनाक्षी मुंजाल, सुंदरी कालरा, सुदेश वाधवा, डॉ. विना अरोड़ा, यजमान महिंदर गाबा एवं हरीश वर्मा, ज्योति गाबा एवं कंचन वर्मा तथा राजपाल आहूजा, जगदीश मेहता, रमेश खनेजा, जितेंद्र धरेजा, नवीन कुमार, कैलशा सेठी, निर्मला चौपड़ा, चंद्र पोपली, सरला कुमार, कांत मक्कड़, सतोष पाहूजा, सिमरन, मनोज गुप्ता, निधि गुप्ता, राकेश बवेजा, राजपाल नासा, उपस्थित रहे।